ऐ मालिक तेरे बन्दे हम .....

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम, ऐसे हों हमारे करम
नेकी पर चलें, और बदी से टलें, ताकि हँसते हुए निकलें दम
ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....

बड़ा कमजोर है आदमी, अभी लाखों है इसमें कमी
पर तू जो खड़ा, है दयालु बड़ा, तेरी किरपा से धरती थमी
दिया तूने हमें जब जनम, तू ही झेलेगा हम सब के गम
नेकी पर चलें, और बदी से टलें, ताकि हँसते हुए निकले दम
ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....

ये अंधेरा घना छा रहा, तेरा इन्सान घबरा रहा
हो रही बेखबर, कुछ ना आता नज़र, सुख का सूरज़ छुपा जा रहा
है तेरी रोशनी में वो दम, जो अमावस को कर दे पूनम
नेकी पर चलें, और बदी से टलें, ताकि हँसते हुए निकले दम
ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....

जब ज़ुल्मों का हो सामना, तब तू ही हमें थामना
वो बुराई करें, हम भलाई करें, नहीं बदले की हो कामना
बढ़ उठे प्यार का हर कदम, और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर चलें, और बदी से टलें, ताकि हँसते हुए निकले दम
ऐ मालिक तेरे बन्दे हम.....

मुल्ला चढ़ि किरकानिया, अलहन बहिरा होय।
जेहि कारन तू बांग दे, दिल ही अंदिर खोय।।